सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, शुक्रवार, 05 दिसंबर, 2025
वर्ष: 02, अंक: 324, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

» Pg12
ब्रजेश पाठक ने की एसआईआर फार्म भरने की अपील

इनसाइड हेलीकॉप्टर से दुल्हन की विदाई बनी चर्चा का विषय... » Pg02

राष्ट्रपति पुतिन का पीएम मोदी ने किया भव्य स्वागत

रूस का रथ भारत में ठहरा, दोस्ती का रिश्ता हुआ गहरा

भारत को जारी रहेगी फ्यूल सप्लाई, रूसी नागरिकों को फ्री मिलेगा ई-टूरिस्ट वीजा, दोनों देश मिलकर बनाएंगे यूरिया

अतिथि देवो भव

» अगर रूसी ईंधन अमेरिका खरीद सकता है, तो भारत क्यों नहीं : पुतिन

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार की शाम भारत पहुंचे तो राजधानी दिल्ली ने एक बार फिर ऐतिहासिक राजनयिक क्षण का स्वागत किया। पालम एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं पहुंचे और पुतिन का गर्मजोशी से आलिंगन कर अभिवादन किया। यह केवल परंपरागत राजकीय स्वागत नहीं था, बल्कि उससे कहीं अधिक दो मित्र देशों के बीच दशकों से चले आ रहे विश्वास और साझेदारी का जीवंत प्रतीक दिखा। देर रात तक चली अनौपचारिक बातचीत और प्रधानमंत्री आवास पर दिया गया विशेष रात्रिभोज बता गया कि इस यात्रा की शुरुआत औपचारिकता से नहीं, आत्मीयता से हुई थी। यह वही प्रतिदान था जो 2024 में मोदी की मॉस्को यात्रा के दौरान पुतिन ने दिखाया था। भारतीय विदेश नीति के इतिहास में ऐसे क्षण बहुत कम दर्ज हैं जब किसी शीर्ष राष्ट्राध्यक्ष के स्वागत के लिए प्रधानमंत्री स्वयं हवाई पट्टी पर मौजूद रहे हों, और वह भी बिना प्रोटोकॉल की कठोर सीमाओं के। यही कारण है कि उनकी यह मुलाकात यात्रा के पहले घंटे से ही वैश्विक सुर्खियों में आ गई।

अगली सुबह राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ औपचारिक स्वागत हुआ। तीनों सेनाओं ने सलामी दी और पुतिन ने निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद 23वां भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू हुआ और प्रतिनिधिमंडलों के बीच ऊर्जा, व्यापार, रक्षा, तकनीक, अंतरिक्ष, इन्फ्रास्ट्रक्चर और आपसी आवाजाही जैसे विषयों पर विस्तृत वार्ता चली।

वार्ता के बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन संयुक्त प्रेस बयान के लिए साथ आए। सबसे पहले पुतिन ने घोषणा की रूस भारत को ईंधन की आपूर्ति बिना किसी व्यवधान के जारी रखेगा। तेल, गैस और ऊर्जा सुरक्षा भारत की आर्थिक वृद्धि का आधार हैं, और ऐसे में यह वादा भारत के लिए सामान्य कूटनीतिक आश्वासन नहीं, बल्कि नीतिगत संबल जैसा है। रूस भारत की विकास आवश्यकताओं को समझता है और हमने भरोसा दिलाया है कि फ्यूल सप्लाई में कोई रुकावट नहीं होगी।

दूसरी ओर मोदी ने वह ऐलान किया जिसने भारत-रूस संबंधों को जनता के स्तर तक पहुँचा दिया। उन्होंने कहा कि रूस के नागरिकों को भारत आने पर 30 दिनों का ई-टूरिस्ट वीज़ा बिल्कुल निःशुल्क मिलेगा। अब तक राजनय मुख्य रूप से रणनीति, रक्षा और व्यापार तक सीमित दिखाई देता था, पर इस निर्णय ने इसे लोगों की आवाजाही, पर्यटन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और व्यावसायिक सहयोग से सीधे जोड़ दिया।

आतंकवाद के खिलाफ भारत-रूस साथ

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और रूस लंबे समय से आतंकवाद के खिलाफ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले और क्रोकस सिटी हॉल पर हुए कायराना हमले का उल्लेख किया। पीएम मोदी ने कहा कि इन सभी घटनाओं की जड़ एक ही है। मोदी ने कह, भारत का अटूट विश्वास है कि आतंकवाद मानवता के मूल्यों पर सीधा हमला है और इसके खिलाफ वैश्विक एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

इस मुलाकात का सबसे बड़ा आधार बना विजन 2030

आज का दिन सिर्फ मुलाकात का दिन नहीं, नीति-निर्माण, अंतरराष्ट्रीय संदेश और भविष्य के आर्थिक विस्तार की रेखा खींचने का दिन भी है। अब निगाहें इस बात पर रहेंगी कि विज़न 2030 किस गति से ज़मीन पर उतरता है, ऊर्जा आपूर्ति किस हद तक स्थिर रहती है, वीज़ा उदारीकरण लोगों के बीच कितनी हलचल लाता है, व्यापार कितना बढ़ता है और रक्षा सहयोग किस रूप में आगे बढ़ता है।

पुतिन ने पीएम मोदी को सराहा

पुतिन ने भी प्रधानमंत्री मोदी की इस भूमिका की सराहना की और कहा कि वह आभारी हैं कि भारत यूक्रेन संघर्ष में शांति प्रयासों को इतनी गंभीरता से देख रहा है। पुतिन ने भारत-रूस संबंधों को सैन्य, अंतरिक्ष,

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कई अन्य क्षेत्रों में मजबूत बताते हुए कहा कि हम इन सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने की योजना बना रहे हैं।

पीएम मोदी ने पुतिन को दिया ये खास उपहार!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीती रात राष्ट्रपति पुतिन को रूसी भाषा में लिखी श्रीमद्भगवद्गीता की प्रति भेंट की, जिसका फोटो उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है। पीएम मोदी ने लिखा- गीता की शिक्षाएं दुनिया भर के लाखों लोगों को प्रेरणा देती हैं।

राहुल गांधी का बड़ा हमला, कहा- हमें विदेशी मेहमानों से नहीं मिलने देते

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि मोदी सरकार विदेशी मेहमानों को विपक्षी नेता से मिलने से रोक रही है क्योंकि वह खुद को असुरक्षित महसूस करती है। उन्होंने यह भी कहा कि जब कोई विशिष्ट विदेशी मेहमान भारत आता है या वह विदेश जाते हैं तो सरकार की तरफ से कहा जाता है कि उनसे (राहुल से) मुलाकात नहीं होनी चाहिए।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि आमतौर पर यह परंपरा रही है कि जो विदेशी मेहमान भारत आते हैं उनकी नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात होती है। यह अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय होता था और मनमोहन सिंह जी के समय भी होता था। आजकल यह होता है कि जब बाहर से कोई आता है या मैं कहीं बाहर जाता हूं तो सरकार सुझाव देती है कि बाहर से आने वाले अतिथि या उनके (राहुल के) बाहर जाने पर वहां के लोग नेता प्रतिपक्ष से नहीं मिलें।

हेलीकॉप्टर से दुल्हन की विदाई बनी चर्चा का विषय

» ग्रामीण क्षेत्रों में दिखावे की बढ़ती होड़ पर उठे सवाल

» क्षेत्र के समझदार लोगों का मानना है कि शादी समारोह में अनावश्यक खर्च की प्रवृत्ति पर रोक लगनी चाहिए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद कस्बे में मंगलवार को एक अनोखी विदाई ने पूरे क्षेत्र का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। गौतम बुद्ध नगर निवासी किसान अमर सिंह यादव की इंजीनियर पुत्री प्रतिमा यादव की विदाई हेलीकॉप्टर से होने पर क्षेत्र के लोगों में उत्सुकता का माहौल रहा। हेलीकॉप्टर देखने के लिए गांव में भीड़ उमड़ पड़ी, लोग छतों और पेड़ों पर चढ़कर इस नजारे को देखने लगे।

प्रतिमा यादव का विवाह पटना, बिहार निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर व कंपनी मालिक विकास यादव के साथ संपन्न हुआ। 4 दिसंबर को कानपुर शहर में हुई शादी के बाद विदाई रसूलाबाद स्थित पैतृक आवास से की गई। प्रशासन से अनुमति मिलने के बाद दुल्हन के घर के नजदीक खेत में हेलीपैड बनाया गया, जहां सुबह हेलीकॉप्टर उतरा और दूल्हा दुल्हन को विदा कराने पहुंचा। फूलों की वर्षा के बीच दूल्हा-दुल्हन हेलीकॉप्टर से ससुराल के लिए रवाना हुए तो पूरा क्षेत्र इस अनोखी विदाई का गवाह बन गया लेकिन इस पूरे प्रकरण के बाद ग्रामीण इलाके में बढ़ते दिखावे पर सवाल भी उठने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिस क्षेत्र में आज भी कई परिवार बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहां शादियों में इस तरह की भव्यता और पैसे की बेतहाशा खर्ची एक गलत संदेश देती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे दिखावे के चलते सामाजिक दबाव बढ़ता है और सीमित आय वाले परिवार अनावश्यक आर्थिक बोझ तले दब जाते हैं।क्षेत्र के समझदार लोगों का मानना है कि शादी समारोह में अनावश्यक खर्च की प्रवृत्ति पर रोक लगनी चाहिए और समाज को सरलता व सादगी अपनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। हेलीकॉप्टर से विदाई भले ही आकर्षण का केंद्र रही हो, लेकिन इसने ग्रामीण समाज में दिखावे की बढ़ती प्रतिस्पर्धा पर नई बहस भी छेड़ दी है।

रोडवेज बस चालकों की मनमानी से झकरकटी में जाम, एंबुलेंस भी फंसी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर में रोडवेज बस चालकों और परिचालकों की मनमानी लोगों पर भारी पड़ रही है। झकरकटी पुल से लेकर टाटमिल चौराहे तक सड़क पर बसें खड़ी कर घंटों सवारियां भरते हैं। इससे 24 घंटे जाम लगा रहता है। दो पहिया वाहन तक नहीं निकल पाते हैं। पुल पर ही अवैध रूप से ऑटो स्टैंड भी चल रहा है। पुलिस के सामने ही सवारियां बैठाते और उतारते हैं। इन पर भी पुलिस अंकुश नहीं लगा पा रही है।

अफीम कोठी चौराहा से आगे आकर झकरकटी पुल चढ़ते ही पांच मीटर की सड़क पर आधी में रोडवेज बसें खड़ी रहती हैं। पुल समाप्त होने के बाद एक तरफ की सड़क की चौड़ाई करीब आठ मीटर है लेकिन इस पर भी आधे से ज्यादा पर रोडवेज बस और ऑटो चालक कब्जा किए हैं। इससे 24 घंटे जाम के हालात रहते हैं। यह स्थिति सड़क के दोनों तरफ से रहती है। 500 मीटर की दूरी तय करने में वाहन चालकों को 20 से 30 मिनट तक लग जाते हैं शहीद मेजर सलमान खान अंतरराष्ट्रीय बस अड्डा (झकरकटी) से करीब 1100 बसों का संचालन होता है। यहां से बांदा, चित्रकूट, उरई, झांसी, कानपुर देहात, गोरखपुर, गोंडा, बहराइच, वाराणसी, जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, लखनऊ, दिल्ली, प्रयागराज जैसे रूटों की बसें संचालित होती हैं। इसके अलावा राजस्थान और मध्यप्रदेश की बसें भी आती हैं। रोडवेज आरएम के मुताबिक, इनमें से हर दिन सिर्फ 475 के आसपास ही बसें अड्डे के अंदर आती हैं। अन्य बसें बाहर से ही सवारियां भरकर निकल जाती हैं।

बस अड्डे में पश्चिमी निकासी गेट बना है। करीब 500 मीटर लंबे इस मार्ग से निकलने में बस चालकों को आधे घंटे तक लग जाते हैं। करीब 12 मीटर चौड़े इस मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं जिनमें पानी भरा रहता है। पूरी सड़क ऊबड़-खाबड़ है। दो बसें एक साथ निकलने पर तो यहां भी जाम लग जाता है और बसें रेंग-रेंगकर निकलते हुए टाटमिल चौराहा तक पहुंचती हैं। कई बार नगर आयुक्त को पत्र भेजा गया लेकिन मार्ग की मरम्मत नहीं कराई जा रही है।

कानपुर नगर निगम : सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का निरीक्षण

नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने एमआरएफ केंद्र में प्लास्टिक वेस्ट की प्रोसेसिंग व्यवस्था, रीसायकल होने वाले उत्पादों की गुणवत्ता और उनकी उपयोगिता की जानकारी ली

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने नगर निगम के भौती स्थित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त, अधिशासी अभियंता (स्वच्छता) तथा संबंधित जोनल स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद रहे। नगर आयुक्त ने प्लांट में चल रही व्यवस्थाओं की चरणबद्ध समीक्षा करते हुए अधिकारियों को साफ-सुथरी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सी एंड डी वेस्ट प्लांट का निरीक्षण

नगर आयुक्त ने कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट प्लांट की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया और प्लांट में तैयार हो रहे ब्रिक, चेयर सहित अन्य निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, स्ट्रेंथ तथा उपयोग लागत की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि उत्पादों की गुणवत्ता में लगातार सुधार किया जाए और इन्हें नगर निगम के कार्यों में प्राथमिकता से उपयोग में लाया जाए।

सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट की समीक्षा

सॉलिड वेस्ट प्लांट में लिगेसी वेस्ट एवं फ्रेश वेस्ट के पृथक्करण, प्रोसेसिंग और अंतिम निस्तारण की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। नगर आयुक्त ने कहा कि निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप लिगेसी वेस्ट का तेजी से निस्तारण कराया जाए।

इसके साथ ही फ्रेश वेस्ट के डोर-टू-डोर संग्रहण से लेकर अंतिम निस्तारण तक संपूर्ण व्यवस्था सुदृढ़ की जानी चाहिए।नगर आयुक्त ने एमआरएफ केंद्र में प्लास्टिक वेस्ट की प्रोसेसिंग व्यवस्था, रीसायकल होने वाले उत्पादों की गुणवत्ता और उनकी उपयोगिता की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए स्रोत पर पृथक्करण की व्यवस्था और प्रभावी बनाई जाए।

चौबेपुर में मासूम से हैवानियत करने वाले वहशी को उम्रकैद

एडीजे-13 पाक्सो कोर्ट ने सुनाया कठोर फैसला, 60 हजार जुर्माना भी

छह साल बाद मिला इंसाफ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात/बिल्हौर। चौबेपुर क्षेत्र को हिला देने वाले छह साल पुराने जघन्य दुष्कर्म कांड में आखिरकार न्याय की जीत हुई है। एडीजे-13 पाक्सो कोर्ट ने मासूम बच्ची को घर की छत से उठा ले जाकर बर्बरता करने के दोषी बालकिशन को आजीवन कारावास और 60 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

जानकारी के अनुसार यह मामला 5 मई 2019 की रात का है। चौबेपुर के एक गांव में पांच साल की बच्ची अपनी मां के साथ घर की छत पर सो रही थी। उसी दौरान मालौ गांव का निवासी बालकिशन अंधेरे का फायदा उठाकर बच्ची को उठा ले गया। अगली सुबह बच्ची के गायब मिलने पर परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों की मदद से की गई तलाश में वह गांव के बाहर बंबा किनारे लहूलुहान और अचेत अवस्था में पड़ी मिली। दृश्य इतना दिल दहला देने वाला था कि ग्रामीण भी सिहर उठे थे।

तेजी से एक्शन-पुख्ता सबूत

घटना के तुरंत बाद पुलिस ने आरोपी को दबोचकर जेल भेज दिया था। मेडिकल रिपोर्ट, मौके के साक्ष्य और गवाहों ने आरोपी को सीधे कठघरे में ला खड़ा किया। बचाव पक्ष की हर दलील को कोर्ट ने सिरे से खारिज कर दिया। लंबी सुनवाई के बाद कोर्ट ने साफ कहा कि इस तरह के अपराधों पर कड़ी सजा ही समाज को संदेश दे सकती है। फैसले के बाद पीड़ित परिवार की आंखें भर आईं। परिवार ने कहा छह साल का इंतजार था,आज लगा कि हमारी मासूम के साथ हुई बर्बरता का इंसाफ़ हुआ।

बिल्हौर: सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

वृंदावन जा रहे यात्री पर स्टेशन पर हमला

मोबाइल छीने जाने का प्रयास, विरोध पर युवक घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर रेलवे स्टेशन पर बीते गुरुवार की देर रात वृंदावन यात्रा पर जा रहे एक युवक पर हमला होने का मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार, कल्याणपुर निवासी ओम जी शुक्ला अपने साथियों के साथ वृंदावन दर्शन के लिए निकले थे और ट्रेन का इंतज़ार कर रहे थे। इसी दौरान तीन अज्ञात युवक उनके पास आए और मोबाइल छीने जाने की कोशिश का आरोप लगाया। विरोध करने पर ओम जी को चाकू जैसी नुकीली वस्तु से सिर और कमर पर चोट पहुंचाई गई। शोर सुनकर आसपास मौजूद लोग इकट्ठा हुए तो हमलावर मौके से भाग निकले। घायल युवक स्टेशन मास्टर तक पहुंचा और घटना की सूचना दी। इसके बाद स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद वह अपने साथियों के साथ आगे की यात्रा पर रवाना हो गया।

युवक का कहना है कि वह वृंदावन से लौटकर घटना की जानकारी संबंधित विभाग को लिखित रूप में देगा। फिलहाल स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है और घटना में शामिल युवकों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। देर रात सुरक्षा व्यवस्था को लेकर यात्रियों ने भी चिंता जताई है, जिनका कहना है कि स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था और गश्त बढ़ाए जाने की जरूरत है।

बिल्हौर में दोपहर का जाम अब हो गया आम

टैफिक पुलिस की अनदेखी से बिगड़ते हैं हालात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। कस्बे में दोपहर के समय जाम लगना अब रोजमर्रा की समस्या बन गई है। दोपहर 12 बजे के बाद बाजारों में भीड़ बढ़ते ही मुख्य मार्गों पर वाहनों की लंबी लंबी कतारें लग जाती हैं। बस स्टैंड, मुख्य बाजार, तहसील रोड और ककवन रोड रेलवे क्रॉसिंग के आसपास सबसे ज्यादा अव्यवस्था दिखाई देती है। अचानक बढ़े ट्रैफिक दबाव के कारण वाहन रेंग-रेंग कर निकलते हैं और पैदल राहगीरों को भी सड़क पार करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

कई बार एंबुलेंस जैसी जरूरी सेवाओं वाले वाहन भी जाम में फंस जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि व्यस्त समय में ट्रैफिक नियंत्रण के लिहाज़ से पुलिस की मौजूदगी कम रहती है, जिससे हालात और बिगड़ते हैं। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि दोपहर के पीक टाइम में पुलिस बल की तैनाती बढ़ाई जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

डग्गामार वाहनों से आने-जाने वालों को रोज हो रही परेशानी

जाम का एक बड़ा कारण यह भी है कि डग्गामार वाहन मनमाने ढंग से सड़क पर खड़े होकर सवारी भरते हैं। जहां जगह मिली, वहीं वाहन रोक देने से सड़क का बड़ा हिस्सा घिर जाता है और ट्रैफिक सुचारू रूप से नहीं चल पाता। स्थानीय लोगों ने ऐसे वाहनों पर सख्ती की जरूरत बताई है, ताकि कस्बे की रोज की जाम की दिक्कत कम हो सके।

विधायक ने जिला सहकारी बैंक का किया भूमि पूजन

शिवराजपुर में किसानों को मिलेगी सहूलियत, अध्यक्ष सुरेन्द्र दीक्षित बोले संस्था की आय बढ़ेगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। सहकारी संघ लि० शिवराजपुर के परिसर में जिला सहकारी बैंक लिमिटेड कानपुर की शिवराजपुर शाखा के लिए बनने वाले नवीन भवन के लिए भूमि पूजन बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर व जिला सहकारी बैंक के सभापति एस. डी. सिंह परिहार ने किया। बिल्हौर विधायक ने कहा कि इससे क्षेत्रीय किसानो को और सुविधा रहेगी । बैंक के सभापति एस.डी. सिंह परिहार ने भी सहकारिता में चलाई जा रही योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी दी।

सहकारी संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र दीक्षित ने कहा कि इससे संस्था की आय बढ़ेगी और बैंक एवं संघ एक ही परिसर में होने से कार्य करने में गति मिलेगी। बैंक के महाप्रबंधक नरेंद्र कुमार ने सभी किसानों को जिला सहकारी बैंक में खाता खोलने की अपील करते हुए बताया कि बैंक केवल 100 रूपया में किसानों का खाता खोल रहा है। साथ में सभी किसानों का दो लाख रूपये का बीमा भी कर रहा है। इस मौके पर बैंक के क्षेत्रीय डायरेक्टर रविशंकर दीक्षित, मोहित शुक्ला, अनुराग दुबे, जीतेंद्र सिंह,बबलू कटियार ,मण्डल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, इन्द्रनारायण भारती, पंकज पाठक, राजेंद्र अग्निहोत्री, अभिलाष सिंह, ओम जी दुबे, नीरज मिश्रा, अनिल शर्मा, दीपू,रवि गुप्ता , दीपक सिंह आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

सिमटते जलस्रोत व ज़हरीला होता पेयजल

निस्संदेह, पंजाब इन दिनों दोहरे जल संकट से जूझ रहा है। एक ओर जहां अंधाधुंध भू-गर्भीय जल के दोहन से उसका जलस्तर गिर रहा है, वहीं कीटनाशकों व रासायनिक खादों के बेतहाशा इस्तेमाल से पानी जहरीला होता जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय भूजल बोर्ड यानी सीजीडब्ल्यूबी के नवीनतम आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। संस्था के नवीनतम निष्कर्ष बताते हैं कि पंजाब 156.36 फीसदी भूजल दोहन के साथ इसके अत्यधिक इस्तेमाल में देशभर में अग्रणी है। जो इस बात को रेखांकित करता है कि पंजाब में इसके जलस्रोतों का कितने खतरनाक ढंग से अत्यधिक दोहन किया जा चुका है। लेकिन यह संकट यही समाप्त नहीं हो जाता।

इस संकट से जुड़ी त्रासदी यह भी है कि सीजीडब्ल्यूबी की नवीनतम वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट-2025 बताती है कि पंजाब में परीक्षण किए गए भूजल के 62.5 फीसदी नमूनों में यूरेनियम सुरक्षित सीमा से कहीं अधिक मात्रा में पाया गया है। निश्चित रूप से भू-गर्भीय जल के अत्यधिक दोहन और पानी की गुणवत्ता में गिरावट में गहरा संबंध है। दरअसल, अत्यधिक भूजल दोहन से पानी का स्तर नीचे चला जाता है, जिसके चलते गहरे बोरवेल लगाने पड़ते हैं। जो भूगर्भीय रूप से अस्थिर, खनिज-समृद्ध परतों से पानी खींचते हैं। जो अक्सर यूरेनियम, आर्सेनिक, नाइट्रेट या लवणता से भरी होती हैं। इसके साथ ही, दशकों से चली आ रही सघन कृषि, अधिक सिंचाई वाली फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिये भारी मात्रा में सिंचाई और रासायनिक उर्वरकों की जरूरत होती है। जिसके चलते भूजल व मिट्टी दोनों ही में प्रदूषकों का रिसाव तेज हो जाता है। इस भयावह संकट को पिछले दिनों राज्यसभा में राजनीतिक आवाज तब मिली, जब सांसद राघव चड्ढा ने पंजाब में विषाक्त जल संकट पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने चेताया था कि भारी धातुओं और रेडियोधर्मी प्रदूषकों वाला पानी आम लोगों के स्वास्थ्य पर घातक असर डाल रहा है।

ऐसा करके उन्होंने देश के नीति नियंताओं को आईना दिखाने का प्रयास ही किया है।

दरअसल, आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में इस चिंता को अभिव्यक्त करके, पर्यावरणीय आंकड़ों के जरिये लंबे समय से दिए जा रहे संकेतों को स्पष्ट रूप से उजागर ही किया है।

हमें इस बात का अहसास होना चाहिए कि यह अब कोई दूरगामी पर्यावरणीय चिंता नहीं बल्कि हमारे सामने एक उभरती हुई जन-स्वास्थ्य की आपात स्थिति ही है। देश में अकसर उस ट्रेन का जिक्र किया जाता रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में पंजाब के लोग कैंसर के उपचार के लिये राजस्थान के विभिन्न अस्पतालों में जाया करते हैं। जिसे अकसर कैंसर ट्रेन के नाम से पुकारा भी जाता रहा है। निस्संदेह, राज्य के कुओं, बोरवेल या हैंडपंप पर निर्भर लाखों पंजाबियों के लिये, इसका मतलब है कि उनके लिये रोजाना पीने का पानी ही स्वास्थ्य खतरा बन सकता है। जिसके उपयोग से उनके गुर्दे की क्षति, कैंसरकारी घातक प्रभाव और प्रजनन व शारीरिक विकास संबंधी नुकसान हो सकता है। निस्संदेह, इस दिशा में तत्काल निर्णायक कार्रवाई करने की सख्त आवश्यकता है।

भरोसा जीतकर हो सुरक्षा उपायों पर अमल

ज्योति मल्होत्रा

ऐसा नहीं है कि सरकारी एप पर जनता का भरोसा नहीं होता। कोविड के दौरान 'आरोग्य सेतु' का देश की जनता ने भरपूर इस्तेमाल किया। वह डिजिटल स्वास्थ्य एप था, जो अब आरोग्य सेतु 2.0 के रूप में और बेहतर...ऐसा नहीं है कि सरकारी एप पर जनता का भरोसा नहीं होता। कोविड के दौरान 'आरोग्य सेतु' का देश की जनता ने भरपूर इस्तेमाल किया। वह डिजिटल स्वास्थ्य एप था, जो अब आरोग्य सेतु 2.0 के रूप में और बेहतर हो चुका है।दूरसंचार विभाग ने स्मार्टफोन कंपनियों को 'संचार साथी' एप्लीकेशन को अनिवार्य रूप से प्री-लोड करने के अपना आदेश वापस लेकर अच्छा काम किया है। इसे लागू करने का बेहतर तरीका यही था

कि लोगों पर छोड़ दिया जाता कि वे चाहें, तो इसे डाउनलोड कर लें और न चाहें तो न करें। इसके फायदों को देखते हुए वह खुद ही लोकप्रिय हो जाएगा। हां, फायदों की जानकारी लोगों को जरूर दी जानी चाहिए थी। इसे लेकर गोपनीयता और संभावित निगरानी को लेकर चिंताएं पैदा हुई, जिनके पीछे भले ही कोई आधार नहीं रहा होगा, पर वे वाजिब थीं। संचार मंत्रालय ने अब बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'सरकार ने मोबाइल निर्माताओं के लिए प्री-इंस्टॉलेशन को अनिवार्य नहीं बनाने का निर्णय लिया है।' मतलब यह भी नहीं है कि सरकार साइबर अपराधों को रोकने की अपनी जिम्मेदारी से हाथ धो ले। वस्तुतः यह साख का सवाल है। पिछले सोमवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने देशभर से सामने आए डिजिटल अरेस्ट के मामलों की देशभर में जांच की जिम्मेदारी सीबीआई को सौंपी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा, डिजिटल अरेस्ट तेजी से बढ़ता साइबर क्राइम है। इसमें ठग खुद को पुलिस, कोर्ट या सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो/ऑडियो कॉल के जरिए पीड़ितों, खासकर सीनियर सिटिजन को धमकाते हैं और उनसे पैसे वसूलते हैं। वस्तुतः यह मामला जागरूकता के अभाव की ओर इशारा करता है, साथ ही जनता

और सरकार के बीच की दूरी को भी बताता है। कोई व्यक्ति खुद को पुलिस वाला बताकर जब फोन करता है तो सामने वाला डरता है। उसे लगता है कि किसी गलत मामले में उसे फंसाया जा सकता है। लोगों के मन में यह डर बहुत गहरा बैठा हुआ है। ठगों ने उसका ही दोहन किया है, अन्यथा जब आपने कोई गलती की नहीं है, तो डरने की जरूरत ही क्या है? इसके शिकार साधारण लोग ही नहीं, पढ़े-लिखे लोग भी हुए हैं। ऐसे अपराधों को लेकर मीडिया में जितनी खबरें आई हैं, उतनी अपराधियों पर कार्रवाई की खबरें नहीं आई हैं। पिछले कई साल से यह काम चल रहा है। बड़े स्तर पर संगठित गिरोह इसका संचालन कर रहे हैं। इसका संगठित कारोबार अंतरराष्ट्रीय शक्ल ले चुका है।

इसमें धोखाधड़ी वाले कॉल के माध्यम से लोगों को डराकर उनसे पैसे ऐंठे जाते हैं। अपराधी सरकारी अधिकारियों का रूप धारण करते हैं और पीड़ितों को झूठे कानूनी आरोपों में फंसाने की धमकी देते हैं। इन घोटालों के साथ संगठित अपराध सिंडिकेट जुड़े हैं। इनमें वित्तीय संस्थानों का दुरुपयोग किया जाता है, जिससे पैसे को क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर उसका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। ऐसा नहीं है कि सरकारी एप पर जनता का भरोसा नहीं होता। कोविड के दौरान 'आरोग्य सेतु' का देश की जनता ने भरपूर इस्तेमाल किया। वह डिजिटल स्वास्थ्य एप था, जो अब आरोग्य सेतु 2.0 के रूप में और बेहतर हो चुका है। वन हेल्थ एप है, जिसे स्वास्थ्य, कल्याण, चिकित्सा रिकॉर्ड, बीमा और परिवार की देखभाल सभी को एक ही स्थान पर प्रबंधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसी तरह डिजिटल लॉकर जैसे उपयोगी ऐप भी हैं।

समुद्री पानी के गर्म होने से बढ़ता चक्रवाती कहर

जलवायु परिवर्तन का असर

ज्वाला सिंह दास

जलवायु बदलावों के चलते चक्रवाती तूफानों की संख्या में वृद्धि हुई है। वैज्ञानिकों के अनुसार, हिंद महासागर के गर्म होने के कारण चक्रवातों की गति व मजबूती बढ़ी है। यह बात नासा के अध्ययन में भी सामने आयी। यदि संसाधनों के अंधाधुंध दोहन पर काबू नहीं किया तो साइक्लोन तटीय शहरों में तबाही लाते रहेंगे। सत्ताईस नवंबर तक भारत के दक्षिणी राज्यों में सेनयार चक्रवात ने भारी तबाही मचाई थी और अगले दिन दितवाह ने अपना कहर शुरू कर दिया। तमिलनाडु में तीन लोगों की मौत, 57 हजार हेक्टेयर फसल नष्ट होना और अनगिनत घरों का उजड़ना इसके परिणाम रहे। आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी और तमिलनाडु में जलभराव ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त किया।

सबसे बड़ी मार किसानों पर पड़ी है, क्योंकि उत्तर-पूर्वी मानसून के कारण धान, गन्ना और अन्य फसलें कटाई के करीब थीं, जिन्हें भारी बारिश ने गिरा दिया। यदि 48 घंटे में धान न कटे तो वे सड़ जाएंगे, और खेतों में पानी भरने के कारण यह कार्य संभव नहीं है। दुनिया में तेजी से आ रहे प्राकृतिक बदलावों ने ऐसे तूफानों की संख्या में वृद्धि की है। यदि मानव ने प्रकृति के साथ छेड़छाड़ को नियंत्रित नहीं किया तो साइक्लोन या बवंडर के चलते भारत के सागर किनारे वाले शहरों में लोगों का जीना दूभर हो जाएगा। वैज्ञानिकों के अनुसार, पिछले 30 वर्षों के दौरान तूफानों की तीव्रता में बढ़ोतरी देखी गई है। हिंद महासागर के गर्म होने के कारण चक्रवातों की गति व मजबूती

बढ़ी है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, पिछले पांच सालों (करीब 2018-2022) में तूफानों की घटनाओं में 32 प्रतिशत इजाफा हुआ। पिछले तीन माह में यह चौथा विकराल चक्रवात है। यही नहीं, मई से जुलाई तक कई कम क्षमता के चक्रवातों ने पश्चिम बंगाल, कोंकण, गुजरात आदि में कोहराम मचाया था। इस तरह के बवंडर तात्कालिक नुकसान ही नहीं पहुंचाते, बल्कि इनका दीर्घकालिक प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। इसके साथ ही, समूची प्रकृति का संतुलन बिगड़ता है। वनों या पेड़ों को संपूर्ण स्वरूप पाने में दशकों लगे, वे पलक झपकते नेस्तनाबूद हो जाते हैं। तेज हवा के कारण तटीय क्षेत्रों में मीठे पानी में खारा पानी मिलने और खेती वाली जमीन पर मिट्टी व दलदल बनने से हुई क्षति पूरा करना मुश्किल होता है। वर्ष 2019 में जारी आईपीसीसी की रिपोर्ट 'ओशन एंड क्रायोस्फीयर इन ए चेंजिंग क्लाइमेट' के अनुसार, सारी दुनिया के महासागर 1970 से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से उत्पन्न 90 फीसदी अतिरिक्त गर्मी को अवशोषित कर चुके हैं। इसके कारण महासागर गर्म हो रहे हैं और इसी से चक्रवात का शीघ्र और भयंकर चेहरा सामने आ रहा है। निवार तूफान के पहले बंगाल की खाड़ी में जलवायु परिवर्तन के चलते समुद्र का जल सामान्य से अधिक गर्म हो गया था। उस समय समुद्र की सतह का तापमान औसत से लगभग 0.5-1 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म था, कुछ क्षेत्रों में यह सामान्य से लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया था। बता दें कि समुद्र का 0.1 डिग्री तापमान बढ़ने का अर्थ है चक्रवात को अतिरिक्त ऊर्जा मिलना। हवा की विशाल मात्रा के तेजी से गोल-गोल घूमने पर उत्पन्न तूफान उष्णकटिबंधीय चक्रीय बवंडर कहलाता है। । । इनमें हवा का घूर्णन घड़ी की सुइयों के विपरीत दिशा में एक वृत्ताकार रूप में होता है। जब बहुत तेज हवाओं वाले उग्र आंधी तूफान अपने साथ मूसलाधार वर्षा लाते हैं तो उन्हें हरिकेन कहते हैं। जबकि भारत के हिस्से दक्षिणी अर्धगोलार्ध में इन्हें चक्रवात या साइक्लोन कहा जाता है।

इस तरफ हवा का घुमाव घड़ी की सुइयों की दिशा में वृत्ताकार होता है। किसी भी उष्णकटिबंधीय अंधड़ को चक्रवाती तूफान की श्रेणी में तब गिना जाने लगता है जब उसकी गति कम से कम 74 मील प्रति घंटे हो जाती है। ये

ओडीओपी 2.0 की तैयारी तेज मुख्यमंत्री योगी ने की समीक्षा

ब्रांड यूपी को मिलेगी वैश्विक पहचान, एक जनपद-एक व्यंजन पहल की घोषणा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। ओडीओपी योजना को और प्रभावी बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर महत्वपूर्ण सुधारात्मक कदमों पर सहमति जताई। उन्होंने कहा कि ब्रांड यूपी की पहचान मजबूत होने के बाद अब इसे अगले चरण में ले जाने का समय आ गया है। इसी क्रम में सरकार जल्द ही ओडीओपी 2.0 की शुरुआत करेगी, जो स्थानीय उद्योग, निर्यात और रोज़गार को नई ऊँचाई देने वाला साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडीओपी योजना में बेहतर प्रशिक्षण, ऋण सुविधा का विस्तार और आधुनिक तकनीक के उपयोग को और व्यापक किए जाने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही सभी यूनिटी मॉल व बड़े रीटेल नेटवर्क में उत्तर प्रदेश के उत्पादों को प्रमुखता से प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने एक नई पहल एक जनपदङ्कएक व्यंजन की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की खान-पान परंपरा अतुलनीय है, इसलिए इसे भी अब ब्रांडिंग का हिस्सा बनाया जाएगा। हर जिले के प्रमुख पारंपरिक व्यंजनों को राज्य स्तर पर एक पहचान मिलेगी।

सरकार डिजिटल रणनीति के माध्यम से निर्यात को भी नई दिशा देने की तैयारी में है। इसके लिए ओडीओपी निर्यात सहायता केंद्र की स्थापना की जाएगी, जिससे उद्योगों को वैश्विक बाजार तक आसानी से पहुंच मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडीओपी और ओडीओसी मिलकर उत्तर प्रदेश को लोकल से ग्लोबल की दिशा में नई ताकत प्रदान करेंगे।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उद्योगों की ज़रूरतों के अनुरूप नीतिगत मदद सुनिश्चित की जाए, ताकि स्थानीय उद्यमी और कारीगर अधिक सशक्त हों।

राज्य सरकार का मानना है कि ओडीओपी 2.0 न केवल पारंपरिक उद्योगों को नई चमक देगा, बल्कि युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर भी पैदा करेगा।

माचिस न मिलने पर युवक कुएं में कूदा

झांसी में मामूली विवाद ने ली जान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

झांसी। सदर बाजार क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। मंगलवार की देर शाम 36 वर्षीय मोहन सिंह ने घरवालों से बीड़ी जलाने के लिए माचिस मांगी। परिजनों द्वारा मना किए जाने पर वह गुस्से में आवेशित हो गया। नशे की हालत में उसने अचानक जय बजरंगबली बोलकर घर के पास स्थित कुएं में छलांग लगा दी।

घटना के बाद घर में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद मोहन सिंह का शव बाहर निकाला। परिवार के अनुसार वह लंबे समय से शराब का आदी था और घटना के समय भी नशे में था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक घटना से पूरे क्षेत्र में मातम का माहौल है।

करंट लगने से आगरा कमिश्नरेट में तैनात सिपाही की मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

आगरा। शहर में शुक्रवार को उस समय शोक की लहर दौड़ गई, जब करंट लगने से कमिश्नरेट में तैनात एक जवान सिपाही की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, 21 बैच के सिपाही निखिल मोतला (उम्र लगभग 29 वर्ष) का आकस्मिक निधन दोपहर करीब 12:30 बजे हो गया ग्वालियर रोड स्थित थाना मलपुरा क्षेत्र के ककुआ चौकी अन्तर्गत चष्टकटाउन में रहने वाले सिपाही निखिल को पानी की मोटर में करंट उतरने से झटका लगा। हादसे के बाद उनके साथी आशीष और पड़ोसियों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने निखिल को गंभीर हालत में नवभारत हॉस्पिटल, ग्वालियर रोड ले जाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। निखिल मूल रूप से दादरी पोस्ट सकोती टांडा, थाना दौराला, जिला मेरठ के निवासी थे। वर्तमान में वे आगरा पुलिस लाइन में तैनात थे, जबकि इससे पहले वे थाना मलपुरा और ककुआ चौकी पर भी ड्यूटी कर चुके थे। पड़ोसियों और साथियों के अनुसार निखिल बेहद सरल और शांत स्वभाव वाले व्यक्ति थे। उनके असामयिक निधन से पूरे पुलिस महकमे और साथियों में शोक व्याप्त है। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

साथी पुलिसकर्मियों ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि निखिल एक सरल, मिलनसार और जिम्मेदार सिपाही थेज उनका यूँ अचानक चले जाना हम सबके लिए बेहद दुखद है। घटना की जांच पुलिस द्वारा जारी है।

मतदाता सूची में फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन का नाम, स्थानीय लोग हैरान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

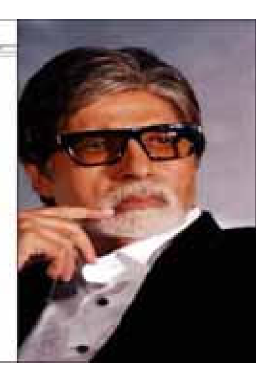

झांसी। झांसी जिले में मतदाता सूची से जुड़ी एक चौंकाने वाली गड़बड़ी सामने आई है। ओरछा गेट क्षेत्र के कछियाना इलाके में जारी हुई वोटर लिस्ट में फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन का नाम दर्ज पाया गया है। सूची में पिता का नाम हरिवंशराय बच्चन और मकान नंबर 54 दर्ज है।सबसे हैरानी की बात यह है कि सूची के अनुसार उन्होंने वर्ष 2003 में मतदान भी किया था।स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने अमिताभ बच्चन को केवल फिल्मों में ही देखा है, वे इस इलाके में कभी नहीं आए।प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए रिकॉर्ड की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, यह मामला फर्जी प्रविष्टि या पुराने रिकॉर्ड की गलत एंट्री से जुड़ा हो सकता है। अधिकारी जल्द ही गलत नाम हटाने और जिम्मेदारी तय करने की कार्रवाई करेंगे।

आईआईटी कानपुर करेगा मिड-डे मील का ग्राउंड ऑडिट

39 स्कूलों से शुरू किया जाएगा कानपुर नगर का ऑडिट

सड़क सुरक्षा व अनुशासन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को दिए जाने वाले मध्याह्न भोजन (एमडीएम) की गुणवत्ता पर अब निगरानी और अधिक कड़ी होने जा रही है। मिड-डे मील का सोशल ऑडिट करने की जिम्मेदारी इस बार आईआईटी कानपुर को सौंपी गई है। संस्थान कानपुर नगर के 39 परिषदीय, राजकीय, अशासकीय विद्यालयों और मदरसों में मिड-डे मील की गहन जांच करेगा। इसके अलावा आईआईटी को कानपुर देहात, उन्नाव, कन्नौज, इटावा, पीलीभीत, बरेली और फर्रुखाबाद जिलों में भी ऑडिट का जिम्मा दिया गया है।प्रदेश स्तर पर कुल 2885 विद्यालय एमडीएम सोशल ऑडिट के लिए चयनित किए गए हैं।

मिड-डे मील प्राधिकरण ने इस संबंध में सभी बीएसए कार्यालयों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। बीएसए सुरजीत कुमार सिंह के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए विद्यालयों का चयन यूडीआईएसई कोड की अंतिम विषम संख्या के आधार पर किया जाएगा।

जिन स्कूलों में पहले सोशल ऑडिट हो चुका है, उन्हें इस सूची में शामिल नहीं किया जाएगा।राज्य में आईआईटी कानपुर के साथ-साथ अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी, जीबी पंत विश्वविद्यालय प्रयागराज, लखनऊ विश्वविद्यालय और गोरखपुर विश्वविद्यालय को भी सोशल ऑडिट करने के लिए अधिकृत किया गया है।कानपुर नगर के जिन 39 स्कूलों का ऑडिट आईआईटी करेगा, वे घाटमपुर, ककवन, सदर बाजार और शास्त्री नगर ब्लॉक में स्थित हैं। इसी तरह कानपुर देहात में 42, उन्नाव में 56, कन्नौज में 32, इटावा में 32, पीलीभीत में 31, बरेली में 52 और फर्रुखाबाद के 34 स्कूल शामिल किए गए हैं।निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक ब्लॉक में चयनित विद्यालयों में एक परिषदीय, एक राजकीय स्कूल, एक अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय, एक मदरसा और एक माध्यमिक स्तर का सहायता प्राप्त विद्यालय अनिवार्य रूप से शामिल रहेगा।

यदि किसी ब्लॉक में मदरसा नहीं है तो उसकी जगह दूसरा अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय चुना जाएगा। सबसे कम और सबसे अधिक नामांकन वाले विद्यालयों को भी सूची में रखना अनिवार्य है।

सोशल ऑडिट प्रक्रिया के दौरान आईआईटी की टीम स्कूलों में जाकर रसोई, सामग्री, रिकॉर्ड, भोजन की गुणवत्ता, उपलब्ध संसाधन और भवन की स्थिति की जांच करेगी। साथ ही विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों, अभिभावकों, ग्राम प्रधान/पार्षद और कोटेदार से फीडबैक लेकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी। ऑडिट रिपोर्ट मिड-डे मील प्राधिकरण को भेजी जाएगी, जिसके आधार पर संबंधित जिलों में सुधार की कार्रवाई कराई जाएगी।

कानपुर सेंट्रल पर सीवर में गिरी गाय को जीआरपी-फायर सर्विस की टीम ने बचाया

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर आज मानवता की अनोखी मिसाल देखने को मिली। सुबह स्टेशन परिसर में एक गाय गहरे सीवर गड्ढे में गिर गई थी। सूचना मिलते ही जीआरपी कानपुर सेंट्रल के प्रभारी निरीक्षक ने तत्परता दिखाते हुए फायर सर्विस और जेसीबी मशीन को मौके पर बुलाया।

संयुक्त टीम ने जोखिम भरा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घंटों की मेहनत, साहस और बेहतरीन समन्वय के बाद आखिरकार गाय को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बाहर आते ही गाय की सांसों में जैसे नया जीवन लौट आया और ये दृश्य देखकर मौजूद लोग भावुक हो उठे।इस अभियान में वरिष्ठ उप निरीक्षक विनोद यादव, आरक्षी विवेक यादव, आरक्षी अनिल यादव, आरक्षी शिवेंद्र कुमार, राधे सीआरपी टीम, फायर सर्विस और रेलवे स्टेशन सुपरिटेंडेंट की अहम भूमिका रही।

देर रात घाटमपुर में चलाया गया संयुक्त प्रवर्तन अभियान

18 भारी वाहन सीज, 67 वाहनों का चालान, 5,99000 रुपये का हुआ चालान

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

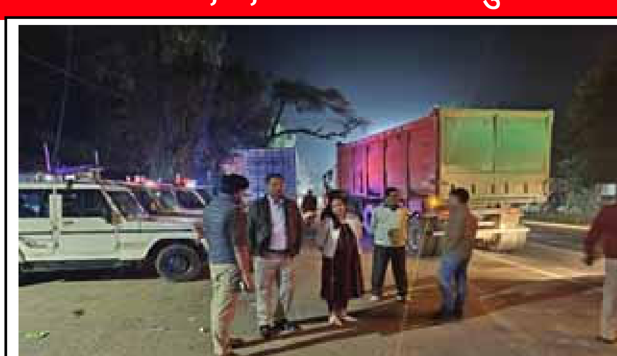

कानपुर।जिलाधिकारी के निर्देश पर घाटमपुर क्षेत्र में गुरुवार के देर रात सड़क सुरक्षा और यातायात अनुशासन को कड़ाई से लागू करने के लिए प्रशासन, पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया। उपजिलाधिकारी घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह, एसीपी कृष्णकांत तथा एआरटीओ प्रवर्तन कहकशा की टीम ने थाना घाटमपुर और कुष्माण्डा माता मंदिर के पास भीतरगांव मोड़ तथा सजेती क्षेत्र के आनूपुर मोड़ पर अभियान संचालित किया। कार्रवाई में तीन थानों की फोर्स भी शामिल रही।अभियान के दौरान 18 भारी वाहनों को सीज किया गया और 67 वाहनों के 5,99000 रुपये के चालान किए गए। ब्रेथ एनालाइज़र से जांच में दो चालक नशे में वाहन चलाते पाए गए। एक अन्य मामले में बिना ड्राइविंग लाइसेंस के हैल्पर द्वारा वाहन चलाए जाने पर वाहन चालक का डीएल निरस्तीकरण हेतु संस्तुति की गई और चालान किया गया।

प्रवर्तन मुख्य रूप से ऐसे वाहनों पर केंद्रित रहा जो बिना नंबर प्लेट चल रहे थे, नंबर प्लेट छिपा रहे थे, ओवरलोडिंग कर रहे थे, टैक्स बकाया था, बिना तिरपाल खनिज ढो रहे थे, प्रदूषण प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं कर सके या शराब पीकर वाहन चला रहे थे। कई चालक मौके पर डीएल भी नहीं दिखा सके। हाल के दिनों में बिना नंबर या धुँधले नंबर वाले वाहनों के कारण हिट-एंड-रन मामलों में वृद्धि हुई थी, जबकि हमीरपुरङ्गघाटमपुर मार्ग पर ओवरलोड डंपरों की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन्हीं कारणों से क्षेत्र में सख्त कार्रवाई आवश्यक हो गई थी। संयुक्त टीम की यह कार्रवाई क्षेत्र में सड़क सुरक्षा मानकों को मजबूती देने और अवैध परिवहन गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

एसीपी कृष्णकांत ने बताया कि भारी वाहनों की अनियमितताओं पर अंकुश लगाना पुलिस की प्राथमिकताओं में है। एआरटीओ प्रवर्तन कहकशा ने कहा कि नियम पालन और जागरूकता, दोनों ही सुरक्षित यातायात की अनिवार्य शर्तें हैं।

एसडीएम अबिचल प्रताप सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़ी हर चूक गंभीर परिणाम दे सकती है और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है। उनके अनुसार प्रवर्तन अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कानपुर देहात के बोर्ड परीक्षा केंद्रों पर बरसी आपत्तियों की बौछार

» कई राजकीय व सहायता प्राप्त विद्यालयों ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनके यहाँ सीसीटीवी कैमरा, फर्नीचर व अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं हैं

» जिले में 120 शिकायतें दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।बोर्ड परीक्षा केंद्र निर्धारण को लेकर कानपुर देहात जिले में आपत्तियों की बाढ़ आ गई है। अंतिम तिथि तक कुल 120 लोगों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराई हैं। इनमें कई शिकायतें छात्र-छात्राओं की दूरी, विद्यालयों के मानक तथा आवंटन गड़बड़ियों को लेकर की गई हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार लगभग 11 विद्यालयों ने स्वयं ही अपने बनाए गए परीक्षा केंद्रों को निरस्त करने का अनुरोध किया है। वहीं 45 से अधिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने अपने-अपने विद्यालयों में मानक सही होने का हवाला देते हुए केंद्र बनाए जाने की गुहार लगाई है।

सबसे अधिक शिकायतें छात्राओं को आवंटित केंद्रों की ज्यादा दूरी को लेकर आई हैं। कई छात्राओं को 20 से 25 किलोमीटर दूर केंद्र भेजे जाने की बात कही गई है। धारण क्षमता से अधिक विद्यार्थियों के आवंटन की शिकायतें भी मिली हैं।

कई राजकीय व सहायता प्राप्त विद्यालयों ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनके यहाँ सीसीटीवी कैमरा, फर्नीचर व अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। कुछ विद्यालयों ने फंड की कमी बताते हुए केंद्र हटाने की मांग भी की है। ऐसे विद्यालयों को नए सत्र में केंद्र मिलने की संभावना बेहद कम मानी जा रही है। उनकी जगह मानक पूर्ण करने वाले विद्यालयों को शामिल किए जाने की उम्मीद है।

जिला समिति अब इन सभी प्रत्यावेदनों की पुनः जांच कर सकती है। कुछ विद्यालयों ने अपने परिसर तक सार्वजनिक मार्ग न होने की समस्या भी बताई है, जिससे परीक्षा में दिक्कत आने की आशंका जताई गई है। वहीं एक नए राजकीय विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बोर्ड द्वारा केंद्र बनाए जाने के बावजूद मानक अपूर्ण होने की बात कहकर केंद्र हटाने की मांग की है।

अब निगाहें जिला समिति के निर्णय पर टिकी हैं। इसके बाद ही बोर्ड की ओर से परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची जारी की जाएगी।

बोर्ड परीक्षा केंद्रों में अनियमितताओं का बड़ा खुलासा

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com
कानपुर देहात
08

बोर्ड परीक्षा केंद्रों की सूची में खामियां ही खामियां

» सूत्रों के अनुसार लगभग एक दर्जन केंद्र ऐसे बनाए गए हैं, जहां न तो परीक्षा से जुड़े न्यूनतम संसाधन उपलब्ध हैं और न ही सुरक्षा मानकों का पालन किया गया है

जनपद में इस वर्ष बोर्ड परीक्षा केंद्र निर्धारण को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। बोर्ड द्वारा तैयार की गई विद्यालयों की विस्तृत कुंडली में कई गंभीर विसंगतियां उजागर हुई हैं। इस सूची में मानक पूरे करने वाले विद्यालयों को एक श्रेणी में रखा गया है, जबकि खामियों वाले विद्यालयों को अलग से चिह्नित किया गया है। जनपद में कुल 331 विद्यालय संचालित हैं, जिनमें 21 राजकीय,67 सहायता प्राप्त, 237 वित्त विहीन शामिल हैं। इसके अलावा पांच विद्यालयों की छात्र संख्या शून्य पाई गई है। बोर्ड द्वारा 154 विद्यालयों पर आपत्तियां दर्ज करते हुए, स्पष्ट कर दिया गया है कि इन विद्यालयों को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा।

दोहरी नीति पर उठ रहे सवाल

वित्त विहीन विद्यालयों के प्रबंधक और प्रधानाचार्य बोर्ड की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि जब बोर्ड ने पहले से पूरी सूची तैयार कर ली थी, तो फिर मानकों को वेबसाइट पर दोबारा अपलोड कराने और दोबारा जांच कराने की प्रक्रिया क्यों अपनाई गई?

सबसे बड़ी आपत्ति इस बात को लेकर है कि कई राजकीय और सहायता प्राप्त विद्यालय, जिनकी छात्र संख्या 80 से कम है, उन्हें परीक्षा केंद्र बना दिया गया, जबकि वित्त विहीन विद्यालय, जो हाई स्कूल स्तर तक मान्यता प्राप्त हैं, उनकी छात्र संख्या कम होने पर सीधे बाहर कर दिए गए। विद्यालय संचालकों ने इसे स्पष्ट भेदभाव बताया है और कहा है कि बोर्ड की नीति पारदर्शी नहीं दिख रही।

सूत्र बताते हैं कि परीक्षा केंद्रों को लेकर कई प्रभावशाली लोगों ने अपने-अपने स्तर से सिफारिश पत्र भेजे हैं। बोर्ड द्वारा जनपद में 79 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित किए गए थे, जिनमें कई माननीयों से जुड़े विद्यालय शामिल नहीं थे।

हर वर्ष की तरह इस बार भी जिला समिति की ओर से ऐसे विद्यालयों को केंद्र बनाने की कोशिशें जारी हैं, जिन्हें बोर्ड ने पहले ही सूची से बाहर रखा है।

बोर्ड परीक्षा केंद्रों में खामियों और अनियमितताओं को लेकर स्वराज इंडिया अखबार द्वारा किए गए खुलासों के बाद मामला और गंभीर हो गया है। विद्यार्थियों की भविष्य से जुड़े इस संवेदनशील विषय में निष्पक्षता और पारदर्शिता की मांग लगातार तेज हो रही है। स्वराज इंडिया आगे भी इस मामले की पड़ताल जारी रखेगा।

नशीला पदार्थ सुंघाकर दो घरों में लाखों की चोरी

» नगदी समेत सोने चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए चोर, जांच में जुटी पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर थाना क्षेत्र के दो घरों में चोरों ने नगदी समेत सोने चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए।सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर जांच पड़ताल की।पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।चोरों ने पहले भाल गांव का मजरा खलास निवासी धर्मेंद्र सिंह के घर को निशाना बनाया। धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि परिवार के सभी सदस्य घर के अंदर सो रहे थे।

चोरों ने कथित तौर पर कोई नशीला पदार्थ सुंघाकर उन्हें बेहोश कर दिया और घर में रखी तिजोरी को उठाकर उसे घर के पीछे ले गए।वहां तिजोरी का ताला तोड़कर नगदी समेत सोने चांदी के आभूषण चोरी कर लिए।दूसरा मामला भाल गांव के अनिल कुमार द्विवेदी के घर का है।अनिल कुमार द्विवेदी के अनुसार चोर घर की पिछली छत से उनके घर में दाखिल हुए।उन्होंने बक्सा उठाया और घर के पीछे खेतों में ले गए।बक्से का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपए के सोने चांदी के आभूषण और 45 हजार रुपए नगद चोरी कर लिए। सुबह जब परिवार जागा तो उन्हें घटना की जानकारी हुई।परिजनों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी। सूचना मिलने पर फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। थाना प्रभारी सनत कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। तहरीर मिलने पर अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

कानपुर देहात : राजकीय नलकूप खराब किसानों के अरमानों पर फिरा पानी

किसानों को इस वक्त लाही और गेहूं में पानी की बड़ी आवश्यकता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकास खंड के ही धौकलपुर गांव में राजकीय नलकूपों की कोई सुध लेने वाला नहीं है। इसके चलते किसानों को मौजूदा समय में लाही और गेहूं में पानी की बड़ी आवश्यकता है। जिसमें सिंचाई करने में समस्या हो रही है। खराब पड़ा नलकूप, किसानों के सामने सिंचाई का संकट बना हुआ है।

कानपुर देहात जिले में कई सरकारी नलकूप तकनीकी खराबी के चलते वर्षों से खराब पड़े है। इसके कारण किसान निजी नलकूपों और अन्य संसाधनों का प्रयोग कर सिंचाई करने के लिए विवश है। जिला प्रशासन लगातार अफसरों के साथ बैठक कर अफसरों को कड़े निर्देश भी दे रहे हैं। लेकिन फिर भी अफसर अनदेखी कर रहे हैं। लगातार किसानों द्वारा शिकायतें करने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है।मलासा गांव में डीपी संख्या 45 मे थोड़ी मामूली ईस्टर स्विच का फॉल्ट बताया गया है और वही डीपी संख्या 191 में भी कुछ खराबी बताया गया वर्तमान में इस समय डीपी संख्या 45 चल रहा है डीपी संख्या 191राजकीय नल कूप खराब है। अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के कई बार की शिकायत लेकिन नतीजा सब शून्य है। इसके चलते फसल की सिचाई में काफी समय लगता है। फसल में इस समय लही और गेहूं में पानी लगाने का कार्य हो रहा। सरकार के दावों और हकीकत में जो उल्टा है। जब किसान निजी नलकूप से सिंचाई करता है तो डीजल या प्राइवेट ट्यूबल से सिंचाई करेगा तो उसकी जेम पर मार ज्यादा पड़ती है। कारण उसकी फसल उत्पादन की लागत बढ़ती है। यदि खराब पड़े राजकीय नलकूप सही हो जाएं तो किसानों को राहत मिले किसानों ने जल्द ही मरम्मत की मांग की है।

क्या बोले सिंचाई विभाग के अधिकारी

खराब राजकीय सरकारी ट्यूबवेल की जानकारी मिली है जिसमें डीपी संख्या 45 में थोड़ी मामूली खराबी आई है ,डीपी संख्या 191 में खराबी को मिस्त्री भेजकर जल्द ही किसानो की समस्या का समाधान किया जाएगा।

संतोष पाल
जेई सिंचाई विभाग

एंबुलेंस ने निभाई ड्यूटी, घायल की जान बची

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। लालपुर अकबरपुर के पास कल सुबह एक दर्दनाक सडक़ हादसा हो गया, जिसमें 38 वर्षीय कुलदीप, निवासी लदुआपुर डेरापुर, गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुलदीप अपनी बाइक से जा रहे थे। उसी दौरान सामने से आ रहे एक ऑटो ने अचानक मोड़ काट दिया, जिससे दोनों वाहनों की जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना में कुलदीप सडक़ पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस सेवा मौके पर पहुंच गई। एंबुलेंस कर्मियों ने मौके पर ही आवश्यक प्राथमिक उपचार दिया। गंभीर चोटें होने के कारण मरीज को तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा द्वारा जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर तैनात डॉक्टरों ने तत्काल आगे का इलाज शुरू कर दिया।

गैर विभागीय कार्यों के विरोध में सचिवों ने किया धरना प्रदर्शन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बीडीओ को दिया ज्ञापन, आगे और ठोस कदम उठाने की कही बात

कानपुर देहात। ग्राम पंचायत में सचिवों से गैर विभागीय कार्य कराने से नाराज सचिवों में उबाल देखने को मिला। सचिवों ने एक दिवसीय शांतिपूर्ण सत्याग्रह आंदोलन किया। उसके बाद खंड विकास अधिकारी विपुल विक्रम को ज्ञापन सौंपा। शुक्रवार को रसूलाबाद ब्लाक परिसर में सचिवों में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव को संबोधित ज्ञापन में 10 सूत्रीय मांगें थी।

जिसमें सचिवों ने बताया कि उनको उनके विभाग के अतिरिक्त दूसरे विभागों में कार्य करवाया जा रहा है। जिसके चलते ग्राम पंचायत के कार्य बाधित रहते हैं। इसके अलावा अलग से कोई वाहन भी नहीं दिया जाता। इसके अलावा कई और बड़ी मांगों को सचिवों ने ज्ञापन के माध्यम से रखा। जो खंड विकास अधिकारी विपुल विक्रम को दिया। इस मौके पर सचिव आदित्य शुक्ला, संदीप कुमार गौतम, सुखदेव प्रसाद, राहुल भारती, सत्येंद्र शर्मा सहित कई रहे।

प्रेम में फंसाकर हिंदू युवती का सलीम ने अपहरण कर गला रेता

» आलाक़त्ल की बरामदगी के दौरान पुलिस पर फायरिंग, जवाबी गोली से आरोपित घायल

» 28 नवंबर से लापता युवती का शव नहर में मिला था, असलह व वारदात के कपड़े भी बरामद

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बुलंदशहर। नाता टूटने से नाराज मुस्लिम युवक सलीम कबाड़ी ने हिंदू युवती क्षमा शर्मा का अपहरण कर उसकी गला रेतकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने बुधवार देर रात मुठभेड़ के बाद आरोपित को घायलावस्था में गिरफ्तार कर लिया। आलाक़त्ल और छिपाए गए अवैध तमंचे की बरामदगी के दौरान आरोपित की फायरिंग में एक सिपाही घायल हो गया।

सीओ भास्कर मिश्रा के अनुसार, 28 नवंबर को ग्राम नैथला हसनपुर निवासी क्षमा शर्मा की गुमशुदगी थाना चोला में दर्ज कराई गई थी। सोमवार को उसका शव वलीपुरा नहर से बरामद हुआ। परिजनों की तहरीर पर सलीम कबाड़ी सहित चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। बुधवार रात पुलिस ने सलीम को चोला चौराहे से दबोच लिया। आरोपित की निशानदेही पर आलाक़त्ल बरामद करने गई टीम पर उसने छिपाए गए तमंचे से जानलेवा हमला किया और भागने की कोशिश की। पुलिस की आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में सलीम के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। उसी की फायरिंग में सिपाही अंकुर के हाथ व बांह में चोट आई।पुलिस ने आरोपित के पास से अवैध तमंचा, कारतूस, चाकू और हत्या में पहने कपड़े बरामद किए। पूछताछ में सलीम ने बताया कि कबाड़ खरीदने के दौरान उसकी पहचान क्षमा से हुई थी। दोनों में बातचीत और मुलाकातें बढ़ीं, लेकिन बाद में युवती ने उससे नाता तोड़ लिया। इसी रंजिश में उसने 27 नवंबर को क्षमा का अपहरण कर नहर किनारे उसकी हत्या कर दी और शव को वहीं छोड़ दिया। आरोपित और घायल पुलिसकर्मी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने सलीम को कोर्ट में पेश करने की तैयारी शुरू कर दी है।

पत्रकार पर हमला करने वाले दबोचे गए, साजिश करने वाला सपा नेता फरार

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में पत्रकार पर हुए हमले के मामले में बड़ा खुलासा सामने आया है। कोतवाली नगर पुलिस ने तीन आरोपियों अफताब उर्फ राजा बाबू, महफूज़ आलम और उमेश चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि मुख्य आरोपित सपा नेता गौरव पांडे सहित कई लोग अभी भी फरार है

सूत्रों के अनुसार, घटना की शुरुआत उस वक्त हुई जब पूर्व ब्लॉक प्रमुख राम अचल यादव के मिर्जापुर आवास पर सपा नेता गौरव पांडे की पिटाई हुई थी। गौरव पांडे को शक था कि यह हमला पत्रकार राममूर्ति यादव के इशारे पर कराया गया था। इसी रंजिश और बदले की भावना से पत्रकार पर हमला करने की साजिश रची गई। बीते दिनों अखबार कार्यालय के सामने लोहे की रॉड से पत्रकार राममूर्ति यादव पर बेरहमी से हमला किया गया। जानकारों के अनुसार, पूर्व मंत्री पवन पांडेय को जब यह पता चला कि राममूर्ति हमला कांड में उनके करीबी सपा जिला सचिव का नाम पुलिस के पास उपलब्ध साक्ष्यों में उभरकर सामने आ रहा है, तो उन्होंने तुरंत सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से संपर्क किया।

घटना के खुलासा होने से करीब 6 घंटे पहले ही अस्पताल में भर्ती पत्रकार राममूर्ति यादव से अखिलेश यादव की फोन पर कुशल-क्षेम पूछवाई, और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलवाया।

आजम के बेटे अब्दुल्ला को बड़ा झटका

सात साल की सजा के साथ 50 हजार का जुर्माना लगा

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

रामपुर। रामपुर से सपा नेता आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम को दो पासपोर्ट मामले में सात साल की सजा सुनाई गई है। इसके अलावा उन पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। अभी वह दो पैन कार्ड मामले में जेल में बंद हैं। दो पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा काट रहे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को दो पासपोर्ट केस में भी कोर्ट ने सात साल की सजा सुनाई है। इसके अलावा उन पर 50 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। सुनवाई के दौरान अब्दुल्ला आजम वीडियो कांफ्रेंसिंग से कोर्ट में पेश हुए।

सपा नेता आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम के खिलाफ दो पासपोर्ट का मामला शहर विधायक आकाश सक्सेना ने सिविल लाइंस थाने में 2019 में दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि अब्दुल्ला आजम के पास दो पासपोर्ट हैं। इसमें से एक पासपोर्ट का इस्तेमाल वह विदेश यात्रा में भी कर चुके हैं।

यह मामला एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में विचाराधीन था। इस मामले में दर्ज मुकदमे को निरस्त करने को लेकर अब्दुल्ला आजम ने सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया था लेकिन वहां से उन्हें राहत नहीं मिली। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इस मामले की सुनवाई फिर से शुरू हुई।

शुक्रवार को रामपुर कोर्ट ने फैसला सुनाया। सुनवाई के लिए पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को वीसी के माध्यम से कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम को दोषी करार देते हुए सात साल की सजा सुनाते हुए 50 हजार रुपये जुर्माना लगाया।

शहर विधायक आकाश सक्सेना की ओर से सिविल लाइंस थाने में वर्ष 2019 में प्राथमिकी दर्ज करवाई गई थी। इसमें विधायक ने कहा था कि अब्दुल्ला आजम खां द्वारा असत्य व कूट रचित दस्तावेज तथा विवरण के आधार पर पासपोर्ट बनवाया है। वह इसका उपयोग कर रहे हैं। पासपोर्ट संख्या जेड4307442 दस जनवरी 2018 है।अब्दुल्ला आजम खां की जन्मतिथि शैक्षिक प्रमाण पत्रों हाईस्कूल बीटेक व एमटेक में एक जनवरी1993 अंकित है। पासपोर्ट संख्या जेड 4307442 में जन्मतिथि 30 सितंबर 1990 अंकित है।

अयोध्या पुलिस ने 24 घंटे में सुलझाई अज्ञात हत्या की गुत्थी

तीन लोगों को किया गया गिरफ्तार, मां की गाली देने के विवाद में हुई थी हत्या

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। थाना हैदरगंज क्षेत्र में मिले एक अज्ञात शव की गुत्थी को अयोध्या पुलिस ने सिर्फ 24 घंटे में सुलझाकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस लाइन सभागार में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने प्रेसवार्ता कर पूरे मामले का खुलासा किया।

तीन दिसंबर 2025 को मऊ ग्रामसभा के पास विशुही नदी में एक अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। ऑपरेशन त्रिनेत्र के कैमरों और फोटो व्हाट्सऐप ग्रुप की मदद से पुलिस ने मृतक की पहचान यदुनाथ कोरी के रूप में की। पुत्र सुरजीत की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर तीन पुलिस टीमों का गठन किया गया।

गुरुवार की सुबह मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घटना में शामिल तीन आरोपियों रामकुमार शुक्ला, रामबाबू उर्फ आयुष यादव और दिलीप उर्फ चलाकी , निवासी सहावां, थाना बीकापुरको गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मृतक ने पहले आरोपी रामकुमार की बेटी और मां को गाली दी थी, जिससे नाराज होकर तीनों ने योजनाबद्ध रूप से यदुनाथ को ऑटो में बैठाकर ले गए और ईंट से कुचलकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को विशुही नदी के पुल से नीचे फेंक दिया।पुलिस ने अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त ईंट व एक ऑटो। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष विवेक कुमार राय, उ.नि. श्रीपति मौर्य, उ.नि. बुद्धिमान सिंह, का. नरेंद्र भारद्वाज, का. अभिषेक यादव, का. गौरव कुमार और का. कुंवर पाल शामिल रहे।

हनुमानगढ़ी में आग की साजिश या हादसा!

» स्वामी महेश योगी को मारने का प्रयास, उच्चस्तरीय जांच शुरू

» सूत्रों का दावा आश्रम के भीतर पुराना विवाद, रंजिश का भी एंगल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।हनुमानगढ़ी के प्रसिद्ध गोविंदगढ़ आश्रम में बीती रात एक सनसनीखेज घटना सामने आई। बुधवार देर रात करीब 2-45 बजे स्वामी महेश दास उर्फ़ महेश योगी के आश्रम में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगा दी गई। आरोप है कि यह आग ज्वलनशील पदार्थ के माध्यम से जान लेने की नीयत से लगाई गई। सूत्रों के अनुसार आश्रम के पिछले हिस्से की लोहे की जाली कटर से काटी गई। अज्ञात लोगों ने कटे हिस्से से अंदर ज्वलनशील पदार्थ से भरा आग का गोला फेंका। घटना के समय पूरे कमरे में पेट्रोल जैसी तीखी गंध फैल गई थी। महेश योगी उसी परिसर के दूसरे हिस्से में रहते थे, इसलिए बड़ा हादसा टल गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से कटी हुई ग्रिल के टुकड़े,ज्वलनशील पदार्थ के निशान,पेट्रोल की गंध वाले अवशेष कब्जे में लिए हैं। बीते दिनों स्वामी महेश योगी का आश्रम के कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। सूत्रों का कहना है कि इस रंजिश को ही इस हमले से जोड़कर देखा जा रहा है। महेश योगी ने इसे अपने जान पर हमला बताते हुए निष्पक्ष जांच की माँग की है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।संदेहास्पद नंबरों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जांच इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस से रात में आश्रम के आसपास की मूवमेंट की पहचान पुलिस ने कहा कि जल्द ही घटना के पीछे के चेहरों का पर्दाफाश किया जाएगा। हनुमानगढ़ी जैसे संवेदनशील धार्मिक क्षेत्र में आधी रात घटी यह घटना कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है। क्या यह एक योजनाबद्ध हमला है या आतंरिक विवाद की चिंगारी?

सीआरपीएफ के नाम पर रॉयल्टी, लेकिन मिट्टी बिक रही प्राइवेट में!

» बड़ा सवाल, अयोध्या के तालाबों से कौन करा रहा अवैध खनन?

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में अवैध खनन का खेल अब नए रूप में सामने आ रहा है। सवाल भारी हैं, जवाब किसी के पास नहीं। खनन विभाग सीआरपीएफ के नाम रॉयल्टी बता रहा है, लेकिन वीडियो और जमीनी हालात चीख-चीखकर कह रहे हैं कि मिट्टी प्राइवेट जगहों पर गिर रही है। अब बड़ा सवाल सीआरपीएफ के नाम वाली मिट्टी प्राइवेट स्पॉट तक पहुंच कैसे रही है?

मुख्य सवाल जो खनन विभाग को जवाब देना चाहिए सीआरपीएफ के नाम की रॉयल्टी, लेकिन मिट्टी उतर रही प्राइवेट में! क्या यह रॉयल्टी सिर्फ कागज़ पर है? क्या विभाग को पता है कि सीआरपीएफ के नाम की मिट्टी आखिर प्राइवेट निर्माण स्थलों पर कैसे पहुंच रही है? रॉयल्टी स्लिप में प्रयोजन का नाम नहीं।सूत्रों के मुताबिक रॉयल्टी नोएडा की कंपनी के नाम जारी काम दिल्ली की कंपनी कर रही। खनन अधिकारी दावा रॉयल्टी सीआरपीएफ के नाम।अब जनता पूछ रही

आखिर दो-दो कंपनियों को एक ही काम कैसे? खनन अधिकारी का दावा फेल? खनन अधिकारी ने साफ कहा रॉयल्टी सीआरपीएफ के नाम है। तो फिर प्राइवेट गाडियां, प्राइवेट साइट, प्राइवेट गिरावट क्या ये सब झूठ है? मिट्टी आखिर आ कहां से रही है?

ओवरलोड डंपर गाँव की छोटी सडक़ों को चीरते हुए दौड़ रहे हैं। कई सडक़ें धंस गईं, कई जगह टूट चुकी हैं। लेखपाल रिपोर्ट नहीं कर रहे—आखिर क्यों? तहसील प्रशासन अनुमति दे किस आधार पर रहा है?सूत्रों का दावा बस्ती का एक व्यक्ति एक बड़े सफेदपोश के करीबी के संरक्षण में तालाबों की खुदाई करा रहा है।

गाँव के प्राकृतिक जलस्त्रोत नष्ट हो रहे।सीआरपीएफ के नाम की रॉयल्टी का खेल, पीछे तालाबों से धड़ाधड़ मिट्टी निकासी।गाँव वालों में आक्रोश है कि हमारी सडक़ों पर इतने भारी वाहन कैसे दौड़ रहे? किसकी अनुमति पर? कौन जिम्मेदार? अवैध खनन, फर्जी रॉयल्टी, सीआरपीएफ का नाम ढाल बनकर उपयोग, तालाबों की खुदाई और ग्रामीण सडक़ों का विनाश इस पूरे खेल में बिना बड़े संरक्षण और विभागीय मिलीभगत के कुछ भी संभव नहीं।अब सवाल यह है कि क्या अयोध्या प्रशासन इस पूरे रैकेट पर कार्रवाई करेगा या फिर एक बार फिर सब कुछ फाइलों में दफन हो जाएगा?

कलयुगी बाप ने वकील संग बनाया रुपए हड़पने का प्लान

2.10 करोड़ का बीमा कराया फिर बेटे का करा दिया मर्डर

शर्मनाक

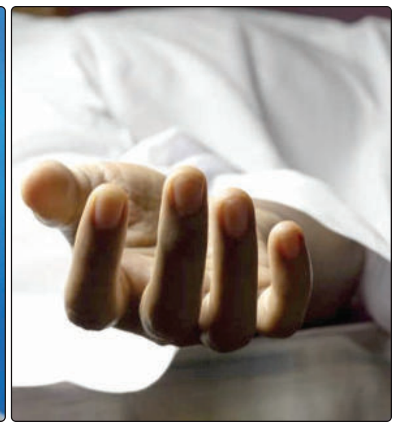

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

संभल। संभल जिले के बहजोई निवासी अनिकेत शर्मा की हत्या उसके पिता बाबूराम शर्मा ने बीमे की रकम हड़पने के लिए सुपारी देकर कराई थी। बृहस्पतिवार को पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि हत्या के बाद शव कुंदरकी क्षेत्र में फेंककर हादसा दर्शाने की कोशिश की गई थी। पुलिस ने अनिकेत के पिता और उसके तीन साथियों को गिरफ्तार किया है।

एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि 16 नवंबर की रात कुंदरकी थानाक्षेत्र के जैतपुर स्थित खेत में बहजोई थानाक्षेत्र के नई बस्ती दुर्गा कॉलोनी निवासी अनिकेत शर्मा का शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि के बाद भी पिता इसे हादसा बताता रहा। जांच में सामने आया कि अनिकेत के नाम 2.10 करोड़ रुपये का दुर्घटना बीमा था। पुलिस ने बुधवार की रात अनिकेत के पिता बाबूराम शर्मा को हिरासत में ले लिया।

एचडीएफसी बैंक में खुलवाया था खाता

उसने बताया कि उसका बेटा आए दिन घर में शराब पीकर शोरशराबा करता था। बाबूराम ने अमरोहा के नौगांवा सादात थानाक्षेत्र के रतनपुर निवासी अपने साथी अधिवक्ता आदेश कुमार से संपर्क किया और बेटे के बारे में बातचीत की। अधिवक्ता ने दो जनवरी 2024 को अनिकेत का बहजोई के एचडीएफसी बैंक में खाता खुलवाया।

कुछ दिन बाद टाटा कंपनी में अनिकेत के नाम 2.10 करोड़ बीमा पॉलिसी कराई लेकिन बाबूराम को सिर्फ 25 लाख की बताई। इस बीच मार्च 2024 में बाबूराम शर्मा डकैती के एक मामले में जेल गया तो आदेश ने किस्तें भी जमा कर दीं। बाबूराम के जमानत पर छूटने पर अधिवक्ता ने अनिकेत की हत्या की साजिश रची और 25 लाख का लालच देकर पिता बाबूराम को भी शामिल कर लिया।

सिर पर रॉड मारकर की गई थी हत्या

बाबूराम ने अधिवक्ता की मदद से रामपुर के शाहबाद थाना क्षेत्र के नटियाखेड़ा निवासी असलम उर्फ सुल्तान को साढ़े तीन लाख रुपये में सुपारी दे दी। असलम ने साथी तहब्बुर मैवाती और रामपुर के शाहबाद रुस्तमपुर निवासी साजिद के साथ मिलकर अनिकेत के सिर में रॉड मारकर हत्या कर दी। एसपी देहात ने बताया कि बाबूराम शर्मा, साजिद, असलम उर्फ सुल्तान, तहब्बुर मैवाती को गिरफ्तार किया गया है। बृहस्पतिवार की शाम चारों को कोर्ट में पेश करे के बाद जेल भेज दिया गया। अधिवक्ता आदेश कुमार और विजयपाल सिंह की तलाश की जा रही है।

बीमा क्लेम पाने के लिए संभल में चार हत्याएं

संभल में बीमा क्लेम हड़पने वाले गिरोह संभल जिले में चार हत्याएं कर चुका है और क्लेम भी हड़प चुका है। पुलिस चार हत्याओं के मामले में सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पूरे गिरोह के 68 से ज्यादा आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का क्लेम इस गिरोह ने पाया है। इसकी जांच ईडी भी कर रही है। ईडी ने लखनऊ में केस दर्ज किया था। संभल पुलिस की जांच भी अभी चल रही है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि गिरोह बीमा क्लेम पाने के लिए हत्याएं कर रहा था। इसके अलावा मर चुके लोगों के साथ मरणासन्न स्थिति वाले लोगों के बीमा कराता था और फर्जी दस्तावेज के आधार पर क्लेम पा लेता था। इस गिरोह में बैंक से लेकर जिम्मेदार विभागों के कर्मचारी भी शामिल रहे थे।

इंडिगो फ्लाइट्स कैंसिल होने का बड़ा नुकसान

अपने ही रिसेप्शन में ऑनलाइन शामिल हुआ दूल्हा-दुल्हन का जोड़ा

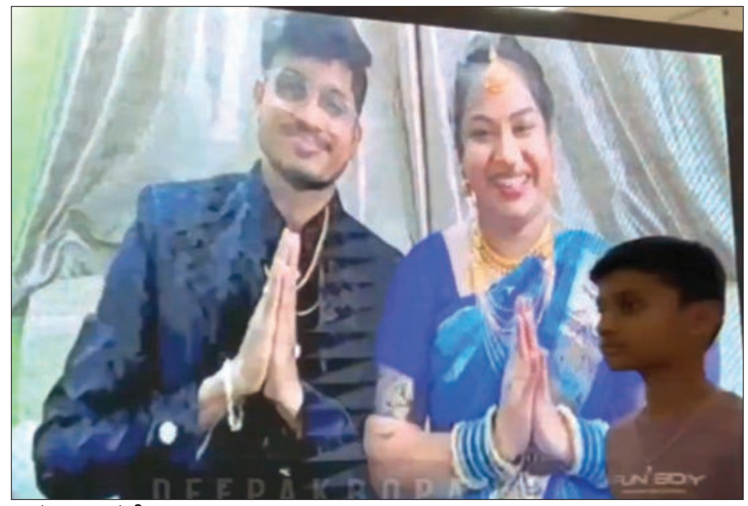

» बेंगलुरु, एजेंसी।

कर्नाटक के हुबली से एक अनोखी खबर सामने आई है। यहां एक दूल्हा-दुल्हन अपनी ही शादी के रिसेप्शन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए हैं। खबरों के अनुसार, यह जोड़ा इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों के बड़े पैमाने पर रद्द होने के चलते अपने रिसेप्शन में नहीं पहुंच पाया। लेकिन चूंकि कार्यक्रम की पूरी तैयारी हो गई थी और सभी मेहमान पहुंच चुके थे तो ऐसे में इन्होंने टेक्नोलॉजी की मदद से अपने रिसेप्शन में शामिल होने का फैसला लिया और वर्चुअली कार्यक्रम अटेंड किया।

दुल्हन की पहचान मेधा क्षीरसागर के रूप में हुई है, जो कि हुबली की रहने वाली है। दूल्हे का नाम संगमा दास है और वह ओडिशा के भुवनेश्वर का रहने वाला हैं। दोनों बेंगलुरु में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम करते हैं। 23 नवंबर को दोनों की शादी भुवनेश्वर में हुई थी और बुधवार को उनका दुल्हन के होमटाउन हुबली के गुजरात भवन में रिसेप्शन होना तय था। उन्होंने 2 दिसंबर की भुवनेश्वर से बेंगलुरु और फिर वहां से हुबली जाने की इंडिगो की फ्लाइट बुक की थी। लेकिन तभी पायलटों की कमी के चलते कंपनी के कई उड़ानें रद्द कर देने से इस कहानी में एक अजीब मोड़ आ गया।

कई रिश्तेदार नहीं पहुंच पाए

इसके चलते सुबह 9 बजे से ही उनकी फ्लाइट में देरी होने लगी और 3 दिसंबर सुबह तक यही सिलसिला चलता रहा। लगातार देरी के बाद 3 दिसंबर को उनकी फ्लाइट रद्द कर दी गई, जिसके चलते वह दोनों फंस गए और हुबली नहीं पहुंच पाए। दूल्हा-दुल्हन के साथ साथ उनके कई रिश्तेदार जो भुवनेश्वर से मुंबई होते हुए हुबली जा रहे थे, वह भी उड़ानें रद्द होने के चलते नहीं पहुंच पाए। लेकिन काफी मेहमान पहले से ही पहुंच चुके थे और सभी तैयारियां हो चुकी थी।

माता-पिता ने निभाई रस्में

इसके चलते दुल्हन के माता पिता स्टेज पर बैठ गए और उन्होंने रस्में पूरी की। वहीं दूल्हा और दुल्हन भुवनेश्वर में कार्यक्रम के लिए पूरी तरह से तैयार हुए और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए रिसेप्शन में शामिल हुए।

अब्दुल्ला आजम को बड़ा झटका, दो पैन कार्ड मामले में हुई सात साल की सजा

कोर्ट ने आजम खां के बेटे पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

रामपुर। दो पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा काट रहे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को दो पासपोर्ट केस में भी कोर्ट ने सात साल की सजा सुनाई है। इसके अलावा उन पर 50 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। सुनवाई के दौरान अब्दुल्ला आजम वीडियो कांफ्रेंसिंग से कोर्ट में पेश हुए।

सपा नेता आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम के खिलाफ दो पासपोर्ट का मामला शहर विधायक आकाश सक्सेना ने सिविल लाइंस थाने में 2019 में दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि अब्दुल्ला आजम के पास दो पासपोर्ट हैं। इसमें से एक पासपोर्ट का इस्तेमाल वह विदेश यात्रा में भी कर चुके हैं।

यह मामला एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में विचाराधीन था। इस मामले में दर्ज मुकदमे को निरस्त करने को लेकर अब्दुल्ला आजम ने सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया था लेकिन वहां से उन्हें राहत नहीं मिली। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इस मामले की सुनवाई फिर से शुरू हुई।

शुक्रवार को रामपुर कोर्ट ने फैसला सुनाया। सुनवाई के लिए पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को वीसी के माध्यम से कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम को दोषी करार देते हुए सात साल की सजा सुनाते हुए 50 हजार रुपये जुर्माना लगाया।

शहर विधायक आकाश सक्सेना की ओर से सिविल लाइंस थाने में वर्ष 2019 में प्राथमिकी दर्ज करवाई गई थी। इसमें विधायक ने कहा था कि अब्दुल्ला आजम खां द्वारा असत्य व कूट रचित दस्तावेज तथा विवरण के आधार पर पासपोर्ट बनवाया है। वह इसका उपयोग कर रहे हैं। पासपोर्ट संख्या जेड4307442

दस जनवरी 2018 है।

अब्दुल्ला आजम खां की जन्मतिथि शैक्षिक प्रमाण पत्रों में हाईस्कूल बीटेक व एमटेक में एक जनवरी1993 अंकित है। पासपोर्ट संख्या जेड 4307442 में जन्मतिथि 30 सितंबर 1990 अंकित है। पासपोर्ट का प्रयोग आर्थिक लाभ हेतु व्यापार व व्यवसाय संबंधी विदेश यात्राओं तथा विभिन्न संस्थाओं में पहचान पत्र के रूप में तथा विभिन्न पदों के आवेदन में किया गया है।

दूसरी ओर शैक्षिक प्रमाण पत्रों का प्रयोग भी आर्थिक लाभ हेतु शैक्षिक संस्थाओं की मान्यताओं व आईडी के लिए किया गया है। अब्दुल्ला आजम के शैक्षिक प्रमाण पत्र तथा पासपोर्ट का विवरण जन्मतिथि व जन्म स्थान विरोधाभासी है फिर भी अब्दुल्ला आजम सभी दस्तावेजों का प्रयोग जरूरत के अनुसार जानबूझकर अनुचित लाभ लेने के लिए कर रहे है। केस में आरोप लगाया था कि अब्दुल्ला आजम ने असत्य विवरण अंकित पासपोर्ट संख्या जेड 4307442 बनवाया है जो जिसका दुरुपयोग किया जाना भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471 तथा पासपोर्ट अधिनियम की धारा -12(1) एके अन्तर्गत दंडनीय अपराध है ।

ब्रजेश पाठक ने की एसआईआर फार्म भरने की अपील

सीतापुर। यूपी के सीतापुर पहुंचे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला व विधायकों ने उनकी आगवानी की। वह सबसे पहले मल्हई स्थित जिला भाजपा कार्यालय पहुंचे। वहां एसआईआर के कार्यों की समीक्षा की।

इस दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि सीतापुर में 90 फीसदी से अधिक कार्य पूरा हो चुका है। इसके लिए भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को बधाई देता हूं। जिन लोगों ने इसका फॉर्म नहीं भरा है, उनसे फार्म भरने की अपील की।